भीलवाड़ा सुर संगम में बंधा समा

नई दिल्ली, 25 मार्च (ब्यूरो): कमानी ऑडिटोरियम में भीलवाड़ा सुर संगम के छठवें एडिशन में शनिवार को मैस्ट्रो में उस्ताद वसीफुद्दीन डारग, पंडित बुधादित्य मुखर्जी और गणसरस्वती किशोरी आमानेकर ने भारत संगीत का वह रंग बिखेरा ही हर कोई उसमें तरनजर आया। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मान भारतीय शास्त्रीय गायक उस्ताद वसीफुद्दीन डारग ने ध्रुपद बौली के भारतीय शास्त्री गायन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इमदादखानी घराने के हिन्दुस्तानी शास्त्रीय सितार एवं सुरबहार वादक बुधादित्य मुखर्जी के हाथ सीतार के तारों पर छुए तो सीधा ऑडिटोरियम में बैठे लोगों के दिलों पर दस्तक दी। हिन्दुस्तानी परंपरा में अग्रणी गायिका और जयपुर घराने की इनोवेटर किशोरी आमोनकर अपने गायन से सभी ऐसे सुर निकाले ही सीधे लोगों के दिमाग पर छा गए।